Authority, the arrears of rent payable by the Union amounted to Rs. 25 lakhs for the period 1st April, 1959 to 31st March, 1969. These arrears accumulated consequent on the Union having gone in for litigation. The Union has now paid the arrears and agreed that the claim of the Municipal Corporation for interest be referred to the Lt. Governor for arbitration.

अमरीका, रूस और जापान की तुलना में भारत में उत्पादित बिजली के प्रति यूनिट लागत

3102. **श्री क० मि० मधुकर :**
श्री ज्योतिर्मय बसु :

क्या सिंचाई तथा विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अमरीका, रूस और जापान की तुलना में भारत में बिजली के उत्पादन पर प्रति यूनिट अधिक खर्च आता है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने विशेषज्ञों की एक समिति नियुक्त की है जो बिजली के उत्पादन व्यय को कम करने के बारे में सुझाव देगी ; और

(घ) यदि हां, तो इस समिति ने इस दिशा में क्या प्रगति की है और तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) जी हां ।

(ख) अमरीका, रूस और जापान के विविध स्रोतों से बिजली उत्पादन की वास्तविक लागत अधिकृत रूप से उपलब्ध नहीं है । इससे सम्बंधित जानकारी प्राप्त की जा रही है ।

इस देश में बिजली उत्पादन की वर्तमान औसत लागत नीचे दी जाती है :

	बिजली उत्पादन की लागत (लगभग)—पैसे/यूनिट में
पन-बिजली ताप केन्द्र	2.5 से 4.0
(i) खान शीर्ष पर	4.2 से 6.3
(ii) खान शीर्ष से दूर जगहों में	5.8 से 11.4

(ग) जी हां ।

(घ) मई, 1969 में स्थापित की गई समिति द्वारा एक वर्ष बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की सम्भावना है ।

उपग्रह द्वारा तूफान के खतरे की चेतावनी

3103. **श्री क० मि० मधुकर:** क्या सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 9 जून, 1969 को 'आर्यावर्त' में प्रकाशित हुए एक समाचार के अनुसार उन्होंने यह कहा था कि अमरीका द्वारा छोड़े गये उपग्रह ने 14 मई, 1969 को उस तूफान के चित्र लिये थे जो कि लगभग 300 मील दूर महासागर में आया था, परन्तु इसकी सूचना शीघ्र प्रेषित नहीं की जा सकी और यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ;

(ख) क्या समय पर सूचना मिल जाती तो क्या आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किये जा सकते थे ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

सिंचाई तथा विद्युत मन्त्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद): (क) से (ग). अमरीकी मौसम उपग्रह द्वारा 14 मई, 1969 को लिये गए फोटो अमूल्य थे और उन से चक्रवात के प्रारंभिक विकास का पता चलता था । यह चित्र मद्रास और कलकत्ता में स्थित तूफान सम्बन्धी चेतावनी देने वाले केन्द्रों को भेज दिया गया था । ये चेतावनियां आकाशवाणी के मद्रास, विजयवाड़ा और विशाखापटनम केन्द्रों के जरिये भेजी गई थीं । जो कुछ बताया गया था, वह यह था कि चक्रवात की तीव्रता और उसके अगले मार्ग के बारे में पूर्वी तट पर रडार केन्द्रों की कमी के कारण प्रभावित क्षेत्रों को जानकारी नहीं दी जा सकती । यदि ये राडार केन्द्र वहां होते, इन से बहुत ही अधिक जानकारी मिल जाती और इस विस्तृत जानकारी से क्षतियों को काफी हद तक कम करना सम्भव हो जाता ।